

**DIPLOMA IN SPECIAL EDUCATION
(HEARING IMPAIRMENT) (DSEHI)**

Term-End Examination

00116

June, 2016

BMD-016 : LANGUAGE AND COMMUNICATION

Time : 3 hours

Maximum Marks : 45

Note : All questions are compulsory. Marks are allotted against each question.

1. (a) Fill in the blanks :

5×1=5

- (i) Various aspects of language are semantics, syntax, phonology and the use of _____ .
- (ii) Language plays an important role in early _____ .
- (iii) Communication is a two-way _____ .
- (iv) Verbal communication is learnt through _____ and _____ method.
- (v) _____ is not essential for language development.

(b) State *true* or *false* :

5×1=5

- (i) Deep and surface structure is an internet of language.
- (ii) Conversation is the basic tool in oralism.
- (iii) Language development of hearing impaired children is usually fast.
- (iv) Hearing is not an essential component for learning a language.
- (v) For learning a language, environment is one of the key source mediums.

(c) Write about any *five* of the following in one sentence :

5×1=5

- (i) Sign Language
- (ii) Language and Communication
- (iii) Assessment of Language
- (iv) Use of Tense
- (v) Copying
- (vi) Educational Bilingualism

2. Write short notes on any *four* of the following :

4×3=12

- (i) Techniques of Teaching Language
- (ii) Human and Animal Communication
- (iii) Indian Sign Language
- (iv) Assessing Basic Language Competence
- (v) Natural Method
- (vi) Loud Reading and Silent Reading

3. Answer any *two* of the following questions in detail :

2×9=18

- (i) Discuss the various activities of pre-writing skills with examples for children with hearing impairment.
- (ii) Explain the various principles of teaching language to hearing impaired.
- (iii) Discuss the various factors/problems faced by hearing impaired for literacy development in India.

विशेष शिक्षा में डिप्लोमा (श्रवणबाधिता)
(डी.एस.ई.एच.आई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

बी.एम.डी.-016 : भाषा एवं संप्रेषण

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 45

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने निर्धारित हैं।

1. (क) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5×1=5
- (i) अर्थविज्ञान, वाक्य-विन्यास, ध्वनिविज्ञान (स्वरविज्ञान) एवं _____ का प्रयोग भाषा के विभिन्न आयाम हैं।
- (ii) शीघ्र _____ में भाषा एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।
- (iii) संप्रेषण एक द्विमाध्यमीय (पारस्परिक) _____ है।
- (iv) मौखिक संप्रेषण _____ तथा _____ विधि के माध्यम से सीखा जाता है।
- (v) _____ भाषा विकास के लिए आवश्यक नहीं है।

(ख) सत्य या असत्य बताइए :

5×1=5

- (i) गहरी एवं सतही संरचना भाषा की एक इंटरनेट (कड़ी) है ।
- (ii) मौखिकतावाद में बातचीत (संवाद) एक आधारभूत साधन है ।
- (iii) श्रवणबाधित बालकों में भाषा विकास प्रायः तीव्र गति से होता है ।
- (iv) भाषायी अधिगम के लिए सुनना एक आवश्यक घटक नहीं है ।
- (v) भाषायी अधिगम के लिए वातावरण एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है ।

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच के बारे में एक वाक्य में लिखिए :

5×1=5

- (i) सांकेतिक भाषा
- (ii) भाषा एवं संप्रेषण
- (iii) भाषा का आकलन
- (iv) काल (Tense) का प्रयोग
- (v) कॉपी करना
- (vi) शैक्षिक द्विभाषिता

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 4×3=12

- (i) भाषा शिक्षण की तकनीकें
- (ii) मानव तथा पशु संप्रेषण
- (iii) भारतीय सांकेतिक भाषा
- (iv) आधारभूत भाषायी योग्यता आकलन
- (v) प्राकृतिक विधि
- (vi) तीव्र पठन तथा मौन पठन

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार में दीजिए : 2×9=18

- (i) श्रवणबाधित बच्चों के लिए पूर्व-लेखन कौशलों की विभिन्न क्रियाओं की उदाहरणों सहित विवेचना कीजिए ।
- (ii) श्रवणबाधितों के भाषायी शिक्षण हेतु विभिन्न सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) भारत में श्रवणबाधितों के साक्षरता विकास में आने वाले विभिन्न कारकों/बाधाओं पर चर्चा कीजिए ।